

HINDI*(Three hours)**Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.**You will not be allowed to write during the first 15 minutes.**This time is to be spent in reading the question paper.**The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers.**This paper comprises two Sections—Section A and Section B.**Attempt all the questions from Section A.**Attempt any four questions from Section B, answering at least one question each from the two books you have studied and any two other questions.**The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [].***SECTION A (40 Marks)***Attempt all questions***Question 1**

Write a short composition in **Hindi** of approximately **250** words on any **one** of the following topics :—

[15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :—

- (i) अपने परिवार के किसी ऐसे सदस्य का वर्णन कीजिए, जिसने आपको प्रभावित किया हो। बताइए कि उस व्यक्ति के प्रभाव ने आपके जीवन को किस प्रकार परिवर्तित किया? आपके गुणों को निखारने में और अवगुणों को दूर करने में उस व्यक्ति ने आपकी किस प्रकार सहायता की ?
- (ii) त्योहार हमें उमंग एवं उल्लास से भरकर अपनी संस्कृति से जोड़े रखते हैं। आज-कल लोगों में त्योहारों को मनाने के प्रति उत्साह एवं आस्था का अभाव देखा जाता है? लोगों की इस मानसिकता के कारण बताते हुए जीवन में त्योहारों के महत्व का वर्णन कीजिए।
- (iii) वर्तमान युग में इंटरनेट अपनी उपयोगिता के कारण एक आवश्यकता बनता जा रहा है। इस विषय पर अपने विचार प्रकट कीजिए और बताइए कि इंटरनेट जीवन में सुविधा के साथ-साथ मुसीबत किस प्रकार बन जाता है ?
- (iv) एक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो :—

“परिश्रम ही सफलता का सोपान है।”

This Paper consists of 12 printed pages.

- (v) नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए।



Question 2

Write a letter in **Hindi** in approximately **120** words on any **one** of the topics given below :—

[7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिये :—

- (i) आपके क्षेत्र में सड़कों पर बहुत अधिक पानी जमा हो जाता है, क्योंकि अधिकांश सड़कें टूटी हुई हैं। जगह-जगह 'स्पीड ब्रेकर' यातायात में सहायक न होकर बाधक बन गए हैं। परिस्थिति की पूर्ण जानकारी देते हुए नगर निगम के अधिकारी को शिकायती पत्र लिखिए।
- (ii) आपके विद्यालय में कुछ अतिथि आए थे, जिनकी देखभाल की जिम्मेदारी आपको सौंपी गई थी। अपनी माताजी को पत्र लिखकर बताइए कि वे अतिथि विद्यालय में क्यों आए थे और आपने उनके लिए क्या-क्या किया ?

Question 3

Read the passage given below and answer in **Hindi** the questions that follow, using your own words as far as possible :—

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :—

नामू की माँ ने अपने बेटे से कहा, “जा, कुल्हाड़ी लेकर पलाश के पेड़ से कुछ छाल उतार ला।”

“अभी लाया माँ।” कहकर नामू ने कुल्हाड़ी उठाई और जंगल की ओर निकल गया। वहाँ उसने पलाश के पेड़ की छाल उतारी और फिर घर की ओर चल पड़ा। रास्ते में विचार करने लगा कि जब मैं कुल्हाड़ी से पेड़ पर प्रहार करता था, तो एक आवाज़ पेड़ से निकलती थी, कहीं वह आवाज़ पेड़ की कराह तो नहीं थी ? जब मैं कुल्हाड़ी से पेड़ पर प्रहार करता होऊँगा, तो पेड़ को पीड़ा भी तो होती होगी।

नामू ने घर आकर पलाश की छाल माँ को सौंप दी और स्वयं घर से दूर कुल्हाड़ी लेकर जा बैठा। वहाँ बैठकर उसने कुल्हाड़ी से अपना पैर रगड़ना शुरू किया। रगड़ के साथ पाँव में पीड़ा भी होती थी, खून बहता था और नामू के मुँह से हल्की-हल्की चीखें भी निकलती थीं। यह सब उसने पेड़ की पीड़ा का अनुभव करने के लिए किया था।

कुछ देर बाद वह घर लौट आया और माँ से खाना माँगा। उसके चेहरे पर पीड़ा की स्पष्ट रेखाएँ उभर आई थीं, मगर वह चुप था। माँ ने देखा, लेकिन कुछ समझी नहीं। एकाएक माँ की दृष्टि उसके कपड़ों पर पड़ी, जो खून से लाल हो चुके थे। माँ ने घबराकर पूछा, “यह क्या हुआ, नामू ?”

“कुछ नहीं माँ, तुम चिन्ता मत करो।”

माँ और अधिक घबराकर बोली, “चिन्ता कैसे न करूँ बेटा, तेरे शरीर का खून देखकर मैं चिन्ता नहीं करूँगी, तो फिर और कौन चिन्ता करेगा ?”

नामू कहने लगा, “माँ, तुमने पलाश की छाल मँगवाई थी, तो कुल्हाड़ी से छाल उतारते हुए, मुझे ऐसा अनुभव हुआ कि पेड़ कराह रहा है और जैसे उसे पीड़ा हो रही है। अपने पाँव पर कुल्हाड़ी की रगड़ से मैं यह जानना चाहता था, कि क्या सभी को एक-सी पीड़ा होती है ?”

बेटे की बात सुनकर, माँ का हृदय भर आया। माँ की आँखों से आँसुओं की धारा बह निकली। उसने नामू को गले लगाते हुए कहा, “लगता है, मेरे पुत्र के रूप में किसी संत ने जन्म लिया है। बेटे, तू पराये दुःख से दुःखी होकर, उस दुःख का अनुभव करना चाहता था; पराया दुःख भी पेड़ का, जिसमें तुझे प्राण दिखाई दिये। अवश्य ही, तू एक दिन बड़ा संत बनेगा।” इस प्रकार माँ ने उसे संत बनने का आशीर्वाद दिया।

आगे चलकर यह ‘नामू’ नामदेव के नाम से महाराष्ट्र का प्रसिद्ध संत हुआ।

वास्तव में दया, धर्म का भाव रखना और दूसरे के दुःख को महसूस करना संतों का स्वभाव होता है। आज अपने पर्यावरण को बचाने के लिए नामदेव जैसे संतों की आवश्यकता है, जिनके मन में न केवल जीवों के प्रति ही दया की भावना हो, बल्कि पेड़, पौधों के लिए भी अपनेपन का भाव हो। आज के स्वार्थी मानव ने प्रकृति के प्रति जिस प्रकार का व्यवहार किया है, वह निन्दनीय है क्योंकि मानव के लोभ ने धरती के अस्तित्व को ही संकट में डाल दिया है।

- (i) नामू को माँ ने क्या आदेश दिया था ? माँ के आदेश का पालन करते समय उसने क्या विचार किया ? [2]
- (ii) घर आकर नामू ने क्या किया और क्यों ? [2]
- (iii) माँ क्या देखकर चिन्तित हुई ? उसका हृदय क्यों भर आया ? [2]
- (iv) संत के स्वभाव की क्या विशेषता होती है ? आगे चलकर नामू किस रूप में प्रसिद्ध हुआ ? [2]
- (v) आपको इस गद्यांश से क्या शिक्षा मिली ? पेड़-पौधों की सुरक्षा क्यों आवश्यक है ? [2]

Question 4

Answer the following according to the instructions given :—

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :—

- (i) निम्न शब्दों से विशेषण बनाइए :— [1]
नीति, साहित्य।

- (ii) निम्न शब्दों में से किसी एक शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :— [1]
मार्ग, माता।
- (iii) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए :— [1]
निर्दोष, शांत, पतन, अन्त।
- (iv) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए :— [1]
आँखों पर पर्दा पड़ना, घुटने टेकना।
- (v) भाववाचक संज्ञा बनाइए :— [1]
ईश्वर, उत्तम।
- (vi) कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए :—
- (a) असफल हो जाने पर, उसे भारी दुःख हुआ। [1]
(वाक्य शुद्ध कीजिए)
- (b) परिश्रमी व्यक्ति विपत्तियों से नहीं घबराता है। [1]
(वचन बदलिए)
- (c) जीवन-भर मैं इसी आचरण का पालन करता आया हूँ। [1]
(रेखांकित शब्दों के लिए एक शब्द लिखकर वाक्य को पुनः लिखिए)

SECTION B (40 Marks)

Attempt four questions from this Section.

You must answer at least one question from each of the two books you have studied and any two other questions.

गद्य-संकलन
Question 5

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :—

श्रीमती जी कुछ रुआँसे स्वर में बोलीं—“इसी विश्वास ने तो सब चौपट कर रखा है। ऐसे ही विश्वास पर सब बैठ जाँ, तो काम कैसे चले ? सब विश्वास पर ही बैठे रहें, तो आदमी काहे को किसी बात के लिए चेष्टा करे ?”

-ताई-

लेखक—विश्वम्भरनाथ शर्मा 'कौशिक'

- | | |
|---|-----|
| (i) श्रीमती जी कौन हैं ? उनका परिचय दीजिए। | [2] |
| (ii) उपर्युक्त वाक्य किससे कहा गया है तथा उस व्यक्ति का विश्वास क्या है ? | [2] |
| (iii) वक्ता के दुःख का कारण क्या है ? अपने इस दुःख का कारण वह किसे मानती है तथा क्यों ? | [3] |
| (iv) प्रस्तुत कहानी का उद्देश्य स्पष्ट करें। | [3] |

Question 6

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :—

“हमारे विद्वान पाठकों में से कोई होता तो उन मूर्खों को समझाता—“यह संसार क्षण-भंगुर है। इसमें दुःख क्या और सुख क्या ? जो जिससे बनता है, वह उसी में लय हो जाता है—इसमें शोक और उद्वेग की क्या बात है ?”

-खेल-

लेखक—जैनेन्द्र

- | | |
|---|-----|
| (i) पानी से कौन खेल रहा था ? वह जब पानी का खेल छोड़कर मुड़ा, तो उसने क्या देखा ? | [2] |
| (ii) सुरबाला कौन है ? उसके दुःख का कारण क्या था ? | [2] |
| (iii) संसार को 'क्षण-भंगुर' क्यों कहा जाता है ? सुरबाला क्या देखकर मौन हो गयी थी ? उसे किस चीज ने पिघला दिया था ? | [3] |
| (iv) सिद्ध कीजिए कि 'खेल' कहानी में बालपन की सरलता का चित्रण किया गया है। इस कहानी के माध्यम से लेखक ने किस सत्य को उजागर किया है ? | [3] |

Question 7

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :—

“मतलब साफ़ है, एकदम साफ़ कि जहाँ एक युवक ने अपने काम से अपने देश का सिर ऊँचा किया था, वहीं एक युवक ने अपने काम से अपने देश के मस्तक पर कलंक का ऐसा टीका लगाया, जो जाने कितने वर्षों तक संसार की आँखों में उसे लांछित करता रहा।”

—मैं और मेरा देश—

लेखक—कन्हैयालाल मिश्र ‘प्रभाकर’

- (i) देश का सिर ऊँचा करने वाला युवक किस देश का नागरिक था ? उसने किस प्रकार अपने देश का सिर ऊँचा किया ? [2]
- (ii) देश के मस्तक पर कलंक का टीका लगाने वाला युवक कौन था ? उसने क्या किया था ? [2]
- (iii) उक्त दोनों घटनाओं से क्या स्पष्ट होता है ? आप अपने देश का गौरव बढ़ाने के लिए क्या-क्या कर सकते हैं ? [3]
- (iv) ‘महत्व किसी कार्य की विशालता में नहीं होता, उस कार्य को करने की भावना में होता है।’—प्रस्तुत पाठ के आधार पर इस पंक्ति की समीक्षा कीजिए। [3]

चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य

लेखक—प्रकाश नगायच

Question 8

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :—

“उसे विश्वास हो गया था कि यदि रामगुप्त को मगध के राज-सिंहासन से न हटाया गया तो गुप्त साम्राज्य के साथ-साथ गुप्त वंश का गौरव, मान-मर्यादा सभी कुछ नष्ट हो जाएँगे।”

- (i) यहाँ ‘उसे’ शब्द का सम्बन्ध किस व्यक्ति के लिए किया गया है ? उसका संक्षिप्त परिचय दीजिए। [2]
- (ii) रामगुप्त को मगध के राज-सिंहासन से हटाये जाने की आवश्यकता क्यों अनुभव की जा रही थी ? [2]
- (iii) रामगुप्त का क्या निर्णय था ? यह व्यक्ति इस समय रामगुप्त का विरोध क्यों नहीं कर पा रहा था ? [3]
- (iv) मगध साम्राज्य की तत्कालीन परिस्थिति कैसी थी ? सिद्ध कीजिए कि कायर व अयोग्य शासक देश के मान-सम्मान व गौरव को सुरक्षित रखने में असमर्थ होता है। [3]

Question 9

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :—

“लेकिन देवसेना, मैं अपने इस वचन का पालन न कर सका। रामगुप्त को संसार कायर कहता है, लेकिन रामगुप्त कायर नहीं, कायर है चन्द्रगुप्त जिसने अपने वचन का पालन न कर चुपचाप इतने बड़े अन्याय को सह लिया।”

- (i) प्रस्तुत कथन का वक्ता कौन है ? उसके एवं उसके पिता के विचारों में क्या समानता थी ? [2]
- (ii) वक्ता किस वचन की ओर संकेत कर रहा है ? उस वचन का पालन क्यों नहीं किया जा सका ? [2]
- (iii) रामगुप्त कौन है ? संसार उसे कायर क्यों कहता है ? [3]
- (iv) ‘परिस्थितियाँ वीर पुरुष को भी लाचार बना देती हैं’—प्रस्तुत पंक्ति को आधार बनाकर एक अनुच्छेद में अपने विचार दीजिए। [3]

Question 10

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :—

“आज हमने अपने पिता आर्य समुद्रगुप्त के ऋण को ही नहीं चुका दिया बल्कि जननी जन्मभूमि के उस ऋण को भी चुका दिया है जिसका बोझ जन्म से ही हमारे सिर पर था।”

- (i) उपर्युक्त पंक्तियों का सन्दर्भ स्पष्ट कीजिए। [2]
- (ii) आर्य समुद्रगुप्त कौन थे ? उनका संक्षिप्त परिचय दीजिए। [2]
- (iii) समुद्रगुप्त का ऋण किसने, किस प्रकार चुकाया ? [3]
- (iv) ‘जन्मभूमि’ का व्यक्ति पर किस प्रकार का ऋण होता है ? जन्मभूमि के ऋण को किस प्रकार चुकाया जा सकता है ? एक अनुच्छेद में उत्तर दीजिए। [3]

एकांकी सुमन

Question 11

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :—

“सरकार को गाली ही दी जाती है। गोली चली तो गाली देते हैं। बैंक लुट जाता है तब भी गाली ही देते हैं।”

—सीमा-रेखा—

लेखक—विष्णु प्रभाकर

- (i) प्रस्तुत कथन का वक्ता कौन है ? उसने ये वाक्य किससे और कब कहा ? [2]
- (ii) ‘सरकार को गाली ही दी जाती है’ — कथन के आधार पर सरकार की मुश्किलों पर प्रकाश डालिए। [2]
- (iii) श्रोता कौन है ? श्रोता का चरित्र-चित्रण कीजिए। [3]
- (iv) ‘जनतंत्र में सरकार और प्रजा एक-दूसरे के पूरक होते हैं।’ एकांकी के आधार पर इस कथन के पक्ष में अपने विचार एक अनुच्छेद में लिखिए। [3]

Question 12

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :—

“नहीं मातुश्री, वे आपको कभी नहीं भूल सके, वे तो आपको सदैव स्मरण करते हैं। वे सब तरह से कुशल हैं, यदि उन्हें दुःख है तो केवल आपका ही दुःख है। वीर लक्ष्मण भी सकुशल हैं। आप किसी प्रकार की चिन्ता न करें। आपके प्रति प्रभु राम के हृदय में जो प्रेम है, उसकी थाह नहीं ली जा सकती।”

—राजरानी सीता—

लेखक—डॉ. रामकुमार वर्मा

- (i) ‘मातुश्री’ शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है ? हनुमान का संक्षिप्त परिचय दीजिए। [2]
- (ii) ‘वे’ शब्द का सम्बोधन किसके लिए किया गया है ? उनके सम्बन्ध में श्रोता ने वक्ता से क्या-क्या कहा ? संक्षेप में लिखिए। [2]
- (iii) इस समय श्रोता के हृदय में क्या सन्देह था ? वक्ता ने श्रोता के सन्देह को कैसे दूर किया ? [3]
- (iv) श्रोता की मनोदशा का वर्णन कीजिए और बताइए कि वक्ता के किन वचनों से श्रोता के मनोभावों में, क्या अन्तर आया। [3]

Question 13

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :—

“आज का ज़माना ऐसा नहीं रहा। अगर हम बच्चों के साथ बहुत सख्ती करेंगे, तो बच्चे, आज नहीं तो कल, हमारा सामना ज़रूर करने लगेंगे। हमें ही झुकना होगा। क्या फायदा बहस से ?”

—भटकन—

लेखक—शैल रस्तोगी

- (i) प्रस्तुत कथन का वक्ता कौन है ? उसका परिचय दीजिए। [2]
- (ii) वक्ता किसे समझा रहा है और क्यों ? [2]
- (iii) श्रोता पर वक्ता के इस कथन का क्या प्रभाव पड़ता है ? वह क्या उत्तर देती है ? [3]
- (iv) बच्चों और माता-पिता के बीच कब और क्यों दूरी पैदा हो जाती है ? इस दूरी का क्या परिणाम होता है ? [3]

काव्य-चन्द्रिका
Question 14

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :—

लघु सुरधनु-से पंख पसारे—शीतल मलय-समीर सहारे,
 उड़ते खग जिस ओर मुँह किये—समझ नीड़ निज प्यारा।
 बरसाती आँखों के बादल—बनते जहाँ भरे करुणा जल,
 लहरें टकरातीं अनन्त की—पाकर जहाँ किनारा।
 अरुण, यह मधुमय देश हमारा।

—अरुण, यह मधुमय देश हमारा—
 कवि—जयशंकर प्रसाद

- (i) ‘शीतल मलय-समीर’ के सहारे कौन और क्यों भारत आते हैं ? [2]
- (ii) कवि ने बादलों के विषय में क्या बताया है तथा उनकी तुलना किससे की है ? समझाकर लिखिए। [2]
- (iii) ‘नीड़’ और ‘किनारा’ शब्दों का प्रयोग किस सन्दर्भ में हुआ है ? यहाँ कवि किसके विषय में, क्या सिद्ध करना चाहता है ? [3]
- (iv) प्रस्तुत गीत कहाँ से लिया गया है तथा इस गीत का मूलभाव क्या है ? [3]

Question 15

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :—

वर्षा के प्रिय स्वर उर में बुनते सम्मोहन,
 प्रणयातुर शत कीट-विहग करते सुख-गायन !
 मेघों का कोमल तम श्यामल तरुओं से छन !
 मन में भू की अलस लालसा भरता गोपन !
 रिमझिम-रिमझिम क्या कुछ कहते बूँदों के स्वर,
 रोम सिहर उठते, छूते वे भीतर अंतर !
 धाराओं पर धाराएँ झरतीं धरती पर,
 रज के कण-कण में तृण-तृण की पुलकावलि भर !

-सावन-

कवि—सुमित्रानन्दन पंत

- (i) वर्षा के स्वर मन में क्या प्रतिक्रिया उत्पन्न करते हैं ? [2]
- (ii) 'मेघों का कोमल तम श्यामल तरुओं से छन !
 मन में भू की अलस लालसा भरता गोपन !'—पंक्तियों का भावार्थ लिखिए। [2]
- (iii) बूँदों के स्वरों से रोम क्यों सिहर उठते हैं ? समझाकर लिखिए। [3]
- (iv) मनुष्य के लिए सावन की क्या उपयोगिता है ? [3]

Question 16

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :—

“वह चले झोंके कि काँपे
 भीम कायावान भूधर,
 जड़-समेत उखड़-पुखड़कर
 गिर पड़े, टूटे विटप-वर
 हाय ! तिनकों से विनिर्मित
 घोंसलों पर क्या न बीती,
 डगमगाए जबकि कंकड़,
 ईंट-पत्थर के महल-घर



बोल आशा के विहंगम,
किस जगह पर तू छिपा था,
जो गगन पर चढ़ उठाता
गर्व से निज तान फिर-फिर।

-निर्माण-

कवि—हरिवंशराय 'बच्चन'

- (i) प्रस्तुत कविता के आधार पर बताइए कि आँधी ने किस-किस पर कैसा प्रभाव डाला ? [2]
- (ii) कवि ने घोंसलों की तुलना किससे और क्यों की है ? [2]
- (iii) 'आशा के विहंगम' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। प्रस्तुत पंक्ति के द्वारा कवि ने मनुष्य को क्या संदेश दिया है ? [3]
- (iv) निम्न शब्दों के अर्थ लिखिए :— [3]
- भीम, भूधर, विनिर्मित, विहंगम, गगन, विटप।